12.09 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Detailed Demands for Grants of Ministry of External Affairs for 1982-83

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P.V. NARASIMHA RAO) : Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Detailed Demands for Grants (Hindi and English versions) of Ministry of External Affairs for 1982-83. [Placed in Library See. No. LT-3687/82]

Delailed Demands for Grants of Ministry of Home Affairs for 1982-83

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH) : On behalf of Shri Nihar Ranjan Laskar, I beg to lay on the Table a copy of the Detailed Demands for Grants Hindi and English versions of Ministry of Home Affairs for 1982-83. [Placed in Laibrary See. No. LT-3688/82]

Review on and Annual Report of State Farms Corporation of India Ltd. New delhi for 1980-81

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R.V. SWAMINATHAN) : (I beg to lay on the Table a copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:—

(1) Review by the Government on the working of the State Farms Corporation of India Limited, New Delhi, for the year 1980-81.

(2) Annual Report of the State Farms Corporation of India Limited, New Delhi, for the year 1980-81 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon. [Placed in Library See No. LT- 3689/82].

12.10 hrs.

STATEMENT RE: ACCIDENT AT AN UNMANNED LEVEL CROSSING AT KOLANUR (S.C. RAILWAY) IN VOLVING JAYANTI JANATA EXPRESS AND A BUS

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI P. C. SETHI) : Sir, I regret to apprise the House of an unfortunate accident which took place at an unmanned level crossing, kept normally closed by chain and padlock to road traffic and opened by station staff as and when required, situated at Kolanur station on Kazipet-Balharshah section of South Central Railway. On 20-3-1982, at about 13.20 hours a tourist bus which was carrying about 100 passengers entered the level crossing in the face of 131 Jayanti Janata Express which was running through the station, leading to a collision with the train. Due to the impact the bus was very badly damaged and the train engine was disabled.

As a result of the accident 60 bus passengers were killed and 33 sustained injuries.

On receipt of information medical van was rushed from Kazipet and it reached the site at 15.05 hours.

The injured persons after being attended to at the site were shifted to Gandhi Hospital, Warangal by the medical relief van.

The General Manager, South Central Railway, accompanied by Heads of Departments proceeded to the site. My colleague Shri Mallikarjun and I accopmanied by Chairman, Member Mechanical, Railway Board visited the site of accident and the hospital at Warangal, where the injured had been admitted.

I have sanctioned an ex-gratia relief of Rs. 1500 to the next of the kin of the dead and Rs. 1000/- to the injured.

The Commissioner of Railway Safety, Southern Circle, Bangalore is commencing his inquiry into this accident tomorrow. Pending his enquiry the Station Master and Cabinman of Kolanur have been placed under suspension.

I am ordering a comprehensive review of the unmanned level crossings and depending on the volume of traffic the Railways would take up the manning of gates in a phased manner at an accelerated rate. Gates which are close to signal cabins will be provided by lifting barrier gates. This has been already ordered at Kolanur and work has started.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है ।

अध्यक्ष महोदय : आप गम्भीर नहीं बनाना चाहते हो, उसका मजाक बनाना चाहते हो । 15 मिनट बाद होम मिनिस्ट्री की डिमाण्ड्स आ रही हैं । चर्चा कर लीजियेगा जो भर कर ।

श्री जार्ज फर्नांडीस (मुज़फ्फरपुर) : आप ऐसा क्यों कहते हैं, यह तो अन्याय है ।

अध्यक्ष महोदय : आप मेरे साथ कर रहे हो, मैं आपके साथ कर रहा हूं । 15 मिनट बाद होम मिनिस्ट्री की डिमाण्ड्स पर बहस होने वाली है ।

श्री हरिकेश बहादुर : हम इस सरकार का सेंशर करना चाहते हैं । . . . (**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : जो सही बात है उसको आप नहीं सुनते हो ।

श्री जार्ज फर्नांडीस : अध्यक्ष महोदय, आप इसकी गम्भीरता को नहीं समझते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : आप सुप्रीम कोर्ट के जज को बैठा कर फैसला कर लो, मैं अपना गलती मान लूंगा ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (नई दिल्ली) : अध्यक्ष जी, हाई कोर्ट के जज की हत्या गम्भीर मामला है कि नहीं ?

अध्यक्ष महोदय : यही तो मैं भी कह रहा हूं कि 15 मिनट बाद होम मिनिस्ट्री की डिमाण्डस आ रही हैं । गृह मंत्री जवाब देंगे ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आपके पास तो हर रोग का एक ही इलाज है । आप देख लीजिएगा बहस का जवाब किस तरह से देंगे ।

अध्यक्ष महोदय : बहस का जवाब वही देंगे, मैं नहीं दूंगा ।

एक माननीय सदस्य : अध्यक्ष महोदय, हमने माननीय सेठी का स्टेटमेंट नहीं सुना, आप उनसे कहिए वह फिर से पढ़ें ।

अध्यक्ष महोदय : अब मैं इस बारे में क्या कर सकता हूं जब सब लोग एक साथ बोलेंगे ।

श्री हरिकेश बहादुर : इस पर आप अलग से बहस करायें, सारे देश के लोगों को इस घटना ने हिला दिया है ।

12.12 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

RELIEF MEASURES FOR HAILSTORM AFFECTED FARMERS OF VIDISHA AND RAISEN DISTRICTS OF MADHYA PRADESH

श्री प्रताप भानु शर्मा : (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र विदिशा एवं रायसेन जिलों में हाल ही में हुई ओला वृस्टि से करीब 350 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और इस क्षेत्र में रबी की फसल प्रायः चौपट हो गई है । जिला प्रशासन ने करीब 11–12 करोड़ रु० के नुकसान का अनुमान लगाया है । मैंने विगत दिनों 80–85 गांवों का दौरा किया था तथा खेतों में हुए भारी नुकसान को स्वयं देखा है । ओला वृष्टि से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र इस प्रकार हैं : गुलाबगंज, सकिल, देवखजूरी, बर्रा–खामखेड़ा, पीपल-खेड़ा, सकिल, नटेरफद पबई, सिम्रौटा, रायसेन में बाड़ी, बरेली एंव भारकच्छु सकिल और बुधनी तहसील में शाहगंज सकिल के करीब 24 गांव प्रभावित हुए हैं ।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इन ओला पीडित क्षेत्रों में तत्वकाल राहत कार्य खोल दिये गये है एंव लगान, तकावी बैंक ऋण आदि की वसुली भी रोक दी गई है इससे लघू कृषकों एंव मजदूर वर्ग के लोगों का काफी राहत मिली हैं परन्तु कृषकों पर अचानक आये इस प्राकृतिक प्रकोप से इन गावों के 90 प्रतिशत किसान प्रभावित हुए है और उनको आगामी खरीफ फसल के लिये बीज एंव खाद की व्यवस्था करना भी कठिन हो गया है बैंक ऋण भी एक प्रमुख समस्या है जो सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र है वहां के किसान इस वर्ष बैंक ऋण की किस्त चुकाने की स्थिति में नहीं हैं । अतः इस संबंध में मेरा सुझाव है कि केन्द्र शासन को मध्य प्रदेश शासन के लिए राहत कार्य खोलने खाद एवं बीज के लिए ऋण एवं अनुदान के लिये अधिक से अधिक राशि उपलब्ध कराना चाहिए । साथ ही सभी रास्ट्रीयकृत बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, एवं सहकारी बैंक को यह निर्देश अविलम्ब दिये जाने चाहिये कि ये संस्थायें इन प्रभावित क्षेत्रों में वसूली स्थगित रखें और एक वर्ष का ब्याज माफ कर इनको आगामी खरीफ फसल क लिये खाद, बीज आदि के लिए ऋण की व्यवस्था करें और विदिशा एवं रायसेन क्षेत्र में फसल बीमा योजना अविलम्ब लागू की जानी चाहिए ।

ऐसा करने से भी हम ओला प्रभावित कृषकों की क्षतिपूर्ति तो नहीं कर पायेंगे परन्तु इस प्राकृतिक विपदा के समय थोड़ी बहुत सहायता अवश्य हो जायेगी ।

श्री मनी राम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, देखिये मैं आपसे प्रस्ताव ... (**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : मैंने बहुत सुन लिया आपका राउस है, मेरा नहीं है । क्या आपको यह शोभा देता है ? और जोरों से करिये, मैं कब रोकता हूं ।